सेंट एण्ड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025-26

कक्षा:-6	विषय: हिंदी कहानी संचय	पाठ:5

प्रश्न-1 काशी के राजा का आचरण कैसा था ?

उत्तर - काशी का राजा अपनी प्रजा का पालन संतान की तरह किया करते थे, वह किसी भी फ़ैसले पर विचार करते समय किसी भी तरह का पक्षपात न करके ठीक फैसला किया करते थे। वह क्रोध और लोभ में पड़कर कभी किसी का बुरा नहीं करते थे। अच्छा आचरण होने के कारण उनकी कीर्ति दूर-दूर तक फैली हुई थी।

प्र०2) राजा अपनी प्रजा से अपने दोषों के बारे में क्यों सुनना चाहता था?
उत्तर-2 राजा अपनी प्रजा से अपने दोषों के बारे में सुनना चाहता था ताकि वह अपने दोषों के बारे में जानकर उन्हें दूर कर सकें।

प्र०3) कोशल देश के राजा की क्या परेशानी थी?
उत्तर -3 कोशल के राजा की यह परेशानी थी कि वह भी अपने अवगुणों के बारे में जानने के लिए देशाटन कर रहे थे।

प्र०4) दोनों राजाओं ने रथ पीछे हटाने के लिए क्या शर्त रखी थी?
उत्तर -4 दोनों राजाओं ने रथ पीछे हटाने के लिए यह शर्त रखी जो उम्र ,राज्य ,धन, बल और कुल में कम होगा वही अपना रथ पीछे हटाएगा।

प्र०5) अंत में कोशलराज और उनके सारथी ने क्या किया?

उत्तर-5 अंत में कोशलराज और उनके सारथी ने मन -ही -मन काशीराज के विनयशीलता की सराहना की और दोनों ने रथ से उतरकर काशीराज को प्रणाम किया और अपने रथ को लौटा कर उनके रथ को रास्ता दे दिया।